अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 267 पोर्ट ब्लेयर, शुक्रवार, 06 अक्तूबर 2023 web: www. and.ni

आर्थिक समृद्धि और पारिस्थितिक स्थिरता के लिए मसालों, सुगंधित और औषधीय पौधों पर राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

पोर्ट ब्लेयर, 5 अक्टूबर।

आर्थिक समृद्धि और पारिस्थितिक स्थिरता के लिए मसालों, सुगंधित और औषधीय पौधों पर राष्ट्रीय सम्मेलन–2023, पोर्ट ब्लेयर के अंडमान साइंस एसोसिएशन (एएसए) द्वारा केरल में सुपारी और मसाला विकास निदेशालय (डीएएसडी) के सहयोग से आज 5 से 6 अक्टूबर, 2023 तक हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन आज पोर्ट ब्लेयर के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान

(सीआईएआरआई) में हुआ।

अंडमान निकोबार प्रशासन की आयुक्त सह सचिव श्रीमती नंदिनी पालीवाल (आईएएस) ने आज डॉ. टीआर दत्ता कॉन्फ्रेंस हॉल में अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती नंदिनी पालीवाल (आईएएस) ने स्थानीय फसलों के परिदृश्य के साथ कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में तकनीकी प्रदर्शन के कैफेटेरिया को देखने के लिए परिसर का दौरा करने का अवसर प्रदान करने के लिए आईसीएआर–सीआईएआरआइ के प्रयासों की सराहना की। इसके अलावा, उन्हे यह जानकर खुशी हुई कि मुख्यभूमि संस्थान के प्रतिष्ठित वक्ता मसालों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान नई तकनीक, कीट प्रबंधन, कटाई के बाद,

शेष पृष्ठ 4 पर

आर्थिक समृद्धि और पारिस्थितिक स्थिरता

पृष्ठ 1 का शेष

मूल्य संवर्धन जैसे प्रासंगिक क्षेत्रों पर अपने अनुभव दे रहे हैं और साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुसंधान का परिणाम तब पूरा होता है, जब इसे नीति निर्माताओं द्वारा किसानों और हितधारकों को लाभ पहुंचाने के लिए परिवर्तित किया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृषि बागवानी गतिविधि से किसानों को संतुष्टि मिलनी चाहिए और उन्हें कृषि और पर्यटन के साथ संतुलन बनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उद्यमों को आर्थिक रूप से व्यवहार्य होना चाहिए,

ताकि नीति में प्रौद्योगिकी को शामिल किया जा सके, रणनीति को सामने लाने के लिए अंडमान को एक केस स्टडी के रूप में रखने पर विचार किया जाए और नीति निर्माताओं के लिए तैयार रेकनर के रूप में कटाई के बाद और मसालों के मूल्यवर्धन पर सर्वोत्तम प्रथाओं का संकलन किया जाए। उन्होंने भारत सरकार के डीएफआई का जिक्र करते हुए अपना भाषण समाप्त किया, जिसमें मसालों के महत्व का उल्लेख किया गया है और कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए आर्थिक स्थिरता के साथ किसानों की बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए नए तरीकों की पहचान करनी होगी। इस अवसर पर उन्होंने सार और संस्थान प्रकाशनों की स्मारिका का भी विमोचन किया।

सीआईएआरआई के निदेशक और एएसए के अध्यक्ष डॉ. ई.बी. चाकुरकर ने बताया कि कम मात्रा और अधिक मूल्य वाली फसल होने के कारण मसालों का राष्ट्रीय महत्व है। इस सम्मेलन के विचार–विमर्श से प्राप्त अनुशंसाओं से अंडमान निकोबार प्रशासन को अंडमान का एक अनूठा ब्रांड बनाकर मसाला किसानों की स्थिति में सुधार करने में मदद मिलेगी और राष्ट्रीय खजाने में भी इजाफा होगा।

इससे पहले सम्मानित अतिथि के रूप में केरल के कोझिकोड में सुपारी और मसाला विकास निदेशालय के निदेशक डॉ. होमी चेरियन ने "अंडमान निकोबार द्वीप समूह में मसालों की क्षमता" पर मुख्य भाषण दिया और कर्नाटक में मैसूर में सीएसआईआर–केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के पूर्व प्रमुख डॉ. एम. माधव नायडू ने "तकनीकी हस्तक्षेप: आर्थिक समृद्धि के लिए जड़ी–बूटियों और मसालों का मूल्यवर्धन" पर मुख्य भाषण दिया।

केरल में कोझिकोड में आईसीएआर–भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. आर. दिनेश, गुजरात में आनंद में आईसीएआर–औषधीय और सुगंधित पौधे अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. मनीष दास, महाराष्ट्र में पुणे में आईसीएआर प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. विजय महाजन, अजमेर में बीज मसाला निदेशालय के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज, त्रिशूर में आईसीएआर–क्षेत्रीय स्टेशन के राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के प्रधान वैज्ञानिक सह अधिकारी प्रभारी डॉ. के. प्रदीप और केरल के तिरुवनंतपुरम में जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान और अनुसंधान संस्थान के सीआईएफ के प्रधान वैज्ञानिक और एसआईसी डॉ. के. बी. रमेश कुमार और अंडमान निकोबार प्रशासन के प्रतिनिधियों ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इस आयोजन के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में पंजीकृत 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों सहित लगभग 150 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिसमें दो दिनों की अवधि में देश भर के प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्वानों द्वारा कुल 120 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शुरुआत में प्रधान वैज्ञानिक और एचसीआईपी के प्रमुख और संयोजक डॉ. पीके. सिंह ने सम्मानित सभा का स्वागत किया, आयोजन सचिव डॉ. अजीत अरुण वामन ने धन्यवाद ज्ञापित किया और सह आयोजन सचिव डॉ. पूजा बोहरा ने उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन किया।